Q) मुगल काल के अध्ययन के एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में आइन-ए-अकबरी को एक स्रोत के रूप में आप कैसे वर्णन करेंगे? अथवा आइन-ए-अकबरी को मुगल काल के इतिहास के अध्ययन का उल्लेख करें।

आइन-ए-अकबरी अकबरकालीन 16वीं एवं 17वीं

सदी के कृषि संबंधी जानकारी एक विश्वसनीय एवं महत्वपूर्ण स्त्रोत है। अबुल फजल मुगल दरबार का सरकारी इतिहासकार था। मुगल सम्राट अकबर (1556-1605) ने जब अपने काल का इतिहास लिखने को कहा था। तब उसने अपनी सबसे अच्छी कृति अकबरनामा की रचना की। अकबरनामा में अबुल फजल ने आदम से अकबर के 46वें अर्थात 1602 ई० तक का इतिहास लिखा है। अबुल ~~फजल~~ फजल आदम का जन्म 7000 वर्ष पूर्व पूर्व मानते है। अकबर को वे 52 पीढ़ियों के बाद का वंशज बताते है। इस ग्रंथ को लिखने के लिए उन्होंने अलबरूनि की रचना तहकीक-ए-हिंद एवं बाबर की रचना बाबरनामा सहित अनेको ग्रंथ की सहायता ली।

अकबरनामा तीन खंडो में विभाजित है।

i) पहला खंड में अकबर के पूर्वजो, अकबर के जन्म एवं अकबर के शासन काल के 17वें वर्ष (1573-74) तक का इतिहास है।

ii) दूसरे खंड में अकबर के शासनकाल के 17वें वर्ष से लेकर 46वें वर्ष 1602 तक का इतिहास है।

iii) तृतीय खंड अकबरनामा ही नहीं बल्कि अकबर-कालीन इतिहास की आत्मा है। इसने अपनी अत्यधिक विशेषताओं एवं महत्व के वर्णन एक अलग ग्रंथ का रूप ग्रहण कर लिया और यही तीसरा भाग आइन-ए-अकबरी है।

आइन-ए-अकबरी में अकबर के उन सभी नियमों का वर्णन है जो अकबर ने शासन चलाने के लिए बनाए थे।

Scanned with CamScanner

आइन-ए-अकबरी को 5 भागो मे बाँटा जाता है।

i) पहले भाग मे शाही घराने के विभिन्न विभागो, शाही टकसाल, कारखाना निर्मित वस्तुओ की कीमते, शाही अस्तबल एवं शस्त्रागार संबंधी विवरण मिलते है।

ii) दूसरे भाग मे मुगल सैन्य व्यवस्था का विवरण मिलता है। इसमे दान की जमीन एवं भत्ते देने का भी वर्णन है। इसमे उस समय के मनसबदारो, धर्मगुरुओ और संगीतकारो की सूची मिलती है।

iii) तीसरे भाग मे कृषि एवं भू-राजस्व संबंधी जानकारी दी गई है। रबी एवं खरीफ फसलो पर मालगुजारी की दरे इसमे दी गई है। उसके साथ-साथ राज्य मे भूमि का वर्गीकरण एवं विभिन्न प्रांतो की राजस्व दरे एवं आइन-ए-दहशाला। विभिन्न क्षेत्रो से राजस्व की दरो का विवरण इसमे मिलता है। अकबर के समय मे इसमे 12 सूबो का वर्णन किया गया है। इसमे कोतवाल, फौजदार, काजी आदि नियुक्ति की जानकारी मिलती है।

iv) चौथे भाग मे हिन्दुओ के विभिन्न धारणाओ, नक्षत्र विद्या, चिकित्सा, दर्शन आदि का वर्णन किया गया है। साथ ही साथ इसमे कुछ संतो व सूफियो की जीवनियाँ भी दी गई है।

v) पाँचवे भाग मे अकबर के आदर्शो और उसके किंवदंतियो (Short Story) की जानकारी और स्वयं अबुल फजल की संक्षिप्त जीवनी दी गई है।

आइन-ए-अकबरी का स्त्रोत के रूप में उपयोग -
आइन-ए-अकबरी अकबरकालीन कृषि इतिहास जानने का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। परंतु इस इतिहास को लेखन के रूप में उपयोग करने में सबसे बड़ी समस्या यह है कि अबूल फजल ने अकबर को एक नायक के समान दिखाया। अकबर अबूल फजल की नजरों में एक बादशाह से भी महान था। उसने अकबर को इंसान-ए-कामिल माना। जिससे की कोई गलती नहीं हो सकती थी। अर्थात अबूल फजल ने अकबर का एक मात्र पहलू ही सबके सामने लाया जो प्रशंसा से भरी हुई थी।

इस ग्रंथ में अबूल फजल ने यदि अधिक प्रशंसा की है तो बदायूनि ने अकबर की अत्यधिक आलोचना की है। ऐसे में विदेशी यात्रियों के विवरण वास्तविक इतिहास जानने में हमारी मदद करते हैं और हम इस प्रकार की समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं।

Scanned with CamScanner